प्रेस नोट
विश्वविद्यालय ने विगत दो वर्षों में गढ़े प्रगति के नये सोपान

विश्वविद्यालय की स्थापना 2008 में उ.प्र. सरकार द्वारा की गई। इसका बुनियादी उद्देश्य समावेशी शिक्षा के जरिए दिव्यांगजनों का पुनर्वास एवं सशक्तिकरण करते हुए इन्हें मुख्यधारा से जोड़ना रहा है। विश्वविद्यालय के पूर्णकालिक कुलपति के रुप में प्रो. (डॉ) निशीथ राय ने 28 जनवरी, 2014 को कार्यभार ग्रहण किया। तब से लेकर अभी तक उनके गतिशील नेतृत्व में विश्वविद्यालय ने प्रगति के कई नये सोपान गढ़े। विद्यार्थियों की संख्या इस समय लगभग तीन हजार है। इसमें से 510 विद्यार्थी दिव्यांग हैं। प्रो. राय के दो वर्षों के कार्यकाल की कुछ खास उपलब्धियां निम्नवत हैंः

- विश्वविद्यालय को यू जी सी अधिनियम 1956 की धारा 12 (बी) में शामिल किया जाना।
- यू जी सी से शैक्षणिक एवं अवस्थापना विकास के लिए सहायता मिलनी शुरु।
- विश्वविद्यालय को 'राष्ट्रीय' महत्ता मिली।
- विश्वविद्यालय के विभिन्न निकायों को क्रियाशील किया गया।
- बाधारहित वातावरण के लिए भारत के राष्ट्रपति ने 'राष्ट्रीय विकलांग पुरस्कार 2014' प्रदान किया।
- विधि संकाय, संगीत एवं ललितकला संकाय, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संकाय तथा कम्प्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी संकाय की स्थापना।
- दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए निःशुल्क शिक्षा, हॉस्टल एवं मेस।
- प्रोफेसर, अध्यक्ष, एसोसिएट प्रोफेसर एवं सहायक प्रोफेसर तथा संकायों में डीन की नियुक्ति।
- सेन्टर फॉर इण्डियन साइन लैग्वेज एण्ड डेफ स्टडीज़, आर्टीफिशियल लिंब एण्ड रिहैबिलिटेशन सेन्टर, स्किल डेवलपमेन्ट सेन्टर, एवं सेन्टर फॉर डिसएबेलिटी स्टडीज़ की स्थापना।
- आई क्यू ए सी का गठन– नैक मूल्यांकन की प्रक्रिया आरंभ।
- अत्याधुनिक साज–सज्जा से युक्त प्रेक्षागृह का निर्माण।
- इन सर्विस ट्रेनिंग, दूरस्थ विशेष शिक्षा तथा लघु एवं बृहद शोध परियोजनाओं हेतु विश्वविद्यालय आर सी आई, भारत सरकार का 'रिसोर्स सेन्टर' बना।
- प्रदेश की संस्थाओं को सम्बद्धता देने का काम शुरु किया गया।
- दिव्यांग जनों के लिए निःशुल्क कृत्रिम अंग की व्यवस्था।
- विश्वविद्यालय के पुनर्वास कार्यो हेतु भारत सरकार से सहायता मिलनी शुरु।
- राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय संस्थाओं से पारस्परिक सहयोग।
- विभिन्न विभागों द्वारा संगोष्ठियों, कार्यशालाओं एवं प्रदर्शनियों का आयोजन।
- शैक्षणिक कैलेण्डर का पूर्णतया पालन।
- समस्त विभागों में पी एच ड़ी पाठ्यक्रम आरंभ।
- प्रथम दीक्षान्त समारोह आयोजित– पांच सत्रों के छात्र–छात्राओं को उपाधि एवं मेडल वितरितं।
- सत्र 2015–16 से आरम्भ किए गए नवीन पाठ्यक्रमः
    - एम एससी भौतिक विज्ञान

- एम एससी रसायन विज्ञान
- एम एससी एप्लाइड सांख्यिकी
- एम एससी माइक्रोबायोलोजी
- एम एससी इन्फार्मेशन टेक्नालाजी
- एम सी ए
- एलएल. एम
- 'बैचलर ऑफ आर्थोटिक्स एण्ड प्रॉस्थेटिक्स' (बी.पी.ओ.)
- 'बैचलर ऑफ ऑडियोलॉजी एण्ड स्पीच लैंग्वेज पैथोलॉजी' (बी.ए.एस.एल.पी.)
- बैचलर ऑफ विजुअल आर्ट
- मास्टर ऑफ विजुअल आर्ट

प्री–डिग्री सर्टीफिकेट कोर्स फॉर डेफ स्टूडेन्ट्स

भावी योजनाएं

- द्वितीय दीक्षांत समारोह का आयोजन।
- फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलॉजी की स्थापना तथा इसके अन्तर्गत विभिन्न विधाओं में बी–टेक पाठ्यक्रम को आरम्भ करना जिससे की निःशक्त विद्यार्थियों को एक अवरोधरहित वातावरण में तकनीकी शिक्षा का अवसर प्रदान किया जा सके।
- दूरस्थ शिक्षा प्रणाली के माध्यम से बी एड (स्पेशल एजूकेशन) को प्रारम्भ करना।
- बी ए/ बी काम/ बी एससी बी एड(स्पेशल एजूकेशन) चार वर्षीय इन्टीग्रेटेड कोर्स।
- द्विवर्षीय बी एड स्पेशल एजूकेशन (लर्निंग डिसएबेलिटी)
- द्विवर्षीय बी एड स्पेशल एजूकेशन (मल्टीपल डिसएबेलिटी)
- एक वर्षीय डिप्लोमा इन हियरिंग एड रिपेयर एण्ड इयर मोल्ड टेक्नोलॉजी।
- एक वर्षीय डिप्लोमा कोर्स इन ऑडिटोरी वर्बल थेरेपी।
- परिसर में कक्षा 6 से 12 तक के लिए समावेशी शिक्षा पर आधारित 'विशेष विद्यालय' की स्थापना।
- बैरियर फ्री स्टेडियम का निर्माण।
- फूड एण्ड ड्रग टेस्टिंग सेन्टर की स्थापना।
- बधिर विद्यार्थियों को रोजगारपरक शिक्षण–प्रशिक्षण देने के लिए डेफ कॉलेज की स्थापना।
- मल्टीमीडिया केन्द्र की स्थापना।
- सेन्ट्रल लाइब्रेरी की स्थापना।
- सेन्टर फॉर मास कम्यूनिकेशन एण्ड जर्नल्जिम की स्थापना।
- सेन्टर फॉर बिहैवीरियल एण्ड कॉग्नेटिव सांइसेज़ की स्थापना।
- ब्रेल प्रेस की स्थापना।
- विभिन्न विभागों द्वारा राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठियों एवं कार्यशालाओं का आयोजन।

28 जनवरी, 2016

(प्रो. (डॉ.) ए.पी. तिवारी)
मीडिया प्रवक्ता एवं
कुलपति के शैक्षणिक सलाहकार